रणजीत टाइम्स

इंदौर
शनिवार, 11 अप्रैल, 2026
वर्ष 02 | अंक 92 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

मोदी डिप्लोमेसी का 'तिहरा दांव'

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर भारत की कूटनीतिक सक्रियता एक बार फिर सुर्खियों में है। प्रधानमंत्री Narendra Modi की अगुवाई में भारत ने हाल के घटनाक्रमों के बीच बहुस्तरीय रणनीति अपनाते हुए 'तिहरा दांव' खेला है, जिसमें विदेश मंत्री S. Jaishankar, वरिष्ठ राजनयिक Vikram Misri और पेट्रोलियम मंत्री Hardeep Singh Puri ने अलग-अलग मोर्चों पर कमान संभाली।विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वैश्विक मंचों पर भारत का पक्ष मजबूती से रखा।

उन्होंने प्रमुख देशों के साथ संवाद तेज करते हुए यह संदेश दिया कि भारत न सिर्फ क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक संतुलन का अहम खिलाड़ी बन चुका है। उनकी कूटनीति का फोकस रणनीतिक साझेदारी और बहुपक्षीय सहयोग पर रहा। वहीं, प्रधानमंत्री के करीबी और अनुभवी राजनयिक विक्रम मिस्री ने पर्दे के पीछे अहम भूमिका निभाई। उच्चस्तरीय वार्ताओं, बैक-चैनल संपर्कों और संवेदनशील

मामलों में समन्वय कर उन्होंने भारत की स्थिति को मजबूत करने में योगदान दिया। उनकी रणनीति ने कई जटिल मुद्दों पर गतिरोध कम करने में मदद की।

दूसरी ओर, ऊर्जा कूटनीति के मोर्चे पर हरदीप सिंह पुरी सक्रिय रहे। वैश्विक तेल बाजार में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने प्रमुख तेल उत्पादक देशों के साथ संपर्क बनाए रखा। सस्ती और स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता रही।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह 'तिहरा दांव' भारत की बहुस्तरीय कूटनीति का उदाहरण है, जहां एक तरफ राजनीतिक नेतृत्व दिशा तय करता है, वहीं अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञ उसे जमीन पर लागू करते हैं। इससे भारत की वैश्विक छवि एक मजबूत, संतुलित और निर्णायक शक्ति के रूप में उभरी है। कुल मिलाकर, मोदी सरकार की यह रणनीति दिखाती है कि बदलते वैश्विक समीकरणों में भारत अब सिर्फ प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं, बल्कि एजेंडा सेट करने वाला राष्ट्र बनता जा रहा है।

DK शिवकुमार का Actor Vijay पर तीखा हमला, बोले- वो एक अपरिपक्व राजनेता हैं

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय को अपरिपक्व राजनीतिज्ञ कहा है। शिवकुमार अभिनेता से राजनेता बने विजय द्वारा 8 अप्रैल को एक चुनावी भाषण में कांग्रेस पर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। विजय ने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री स्टालिन ने तमिलनाडु कांग्रेस नेताओं को करोड़ों रुपये दिए हैं और उन्हें अपनी जेब में रखा है। लेकिन असली कांग्रेस हमारे साथ खड़ी है।

विजय ने यह भी कहा कि कांग्रेस-डीएमके गठबंधन और स्वयं कांग्रेस पार्टी दोनों ही आंतरिक रूप से विभाजित हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने उसी दिन पत्रकारों से कहा कि विजय एक अपरिपक्व राजनीतिज्ञ हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उनके साथ नहीं है, वह डीएमके के साथ है। हो सकता है कि टीएमसी [तृणमूल कांग्रेस] उनके साथ हो। शिवकुमार ने कहा कि वे चुनाव प्रचार के लिए तमिलनाडु जाएंगे और दावा किया कि गठबंधन दो-तिहाई बहुमत से जीतेगा।

फरवरी में, तनाव तब बढ़ गया जब कांग्रेस के तमिलनाडु नेतृत्व के एक वर्ग ने डीएमके से सत्ता-साझेदारी की मांग की और इस संबंध में सार्वजनिक बयान दिए। मार्च में भी सीट बंटवारे की बातचीत ठप हो गई, क्योंकि कांग्रेस ने 30 से अधिक सीटों की मांग की, जबकि डीएमके केवल 25 सीटें देने को तैयार थी। तमिलनाडु के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से संपर्क किया, जिन्होंने इस मुद्दे को सोनिया गांधी के समक्ष उठाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम को डीएमके के साथ बातचीत करने के लिए भेजा गया।

राज्यसभा सांसद बने नीतीश कुमार..

पद और गोपनीयता की ली शपथ, बनाया नया रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा की सदस्यता लेकर चारों सदन के सदस्य बनने का नया रिकॉर्ड बना लिया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी के साथ 9 अप्रैल को ही दिल्ली पहुंच गए थे।

नीतीश कुमार ने ली शपथ बने राज्यसभा सांसद

नीतीश कुमार ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ले ली है. अब तक वह विधानसभा, लोकसभा और विधान परिषद के सदस्य रह चुके हैं. तीनों सदनों के सदस्य के रूप में बिहार के लिए हर बार एक कदम आगे बढ़कर काम किया. अब सीएम नीतीश कुमार राज्यसभा के सदस्य भी बनकर चारों सदनों के सदस्य बनने का नया रिकॉर्ड बना लिया है.पूरा बिहार रो रहा है- मदन सहनी CM नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के तौर पर शपथ लेने पर बिहार के मंत्री मदन सहनी ने कहा, "उनका सफ़र शानदार रहा है और उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है. पूरा बिहार दुखी है, रो रहा है, लोग भावुक हैं.आगे देखिए क्या होता है।

हम इस राजनीतिक फ़ैसले से दुखी हैं : श्रवण कुमार नीतीश कुमार के आज राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लेने के मौके पर बिहार के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, "यह हमारे नेता नीतीश कुमार का एक राजनीतिक फ़ैसला है। बिहार में हम सभी, यानी जेडीयू के सभी लोग, इस राजनीतिक फ़ैसले से दुखी हैं. लेकिन जब उन्होंने यह राजनीतिक फ़ैसला ले ही लिया है और शपथ लेने की तारीख़ आज के लिए तय हो गई है, तो हमें उनके इस फ़ैसले के साथ खड़ा रहना है और हम खड़े हैं."आज बिहार के लिए बड़ा दिन : संजय सरावगी बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लेने पर कहा, "नीतीश कुमार आज राज्यसभा का शपथ ले रहे हैं आज बिहार के लिए बड़ा दिन है और मुख्यमंत्री के लिए भी आज बड़ा दिन है. उनके नेतृत्व में बिहार में जंगलराज समाप्त किया गया है. उनके नेतृत्व में NDA की सरकार में आज बिहार बहुत आगे बढ़ चुका है"।।

मुंबई में दलित नेता मनोज परमार को डॉ बाबा साहेब अंबेडकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया

खुशबू श्रीवास्तव

मुंबई में आयोजित भव्य समारोह में दलित नेता मनोज परमार को सामाजिक कार्यों के लिए प्रतिष्ठित डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर नोबेल अवॉर्ड्स 2026 से सम्मानित किया गया। यह गौरवपूर्ण सम्मान अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। स्थानः Hotel Sea Princess, जुहू, मुंबई 9 अप्रैल अवसरः डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर नोबेल अवॉर्ड्स 2026 कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता-अभिनेत्रियों एवं समाजसेवा से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मनोज परमार ने कार्यक्रम में शामिल होकर गौरवपूर्ण क्षणों का अनुभव साझा किया तथा अपने उद्बोधन में महान विचारक, संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के जीवन, दलित समाज के आंदोलन एवं उनके ऐतिहासिक कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हुए समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों के लिए निरंतर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। ऐसे प्रेरणादायी आयोजन समाज को नई दिशा देने का कार्य करते हैं और सामाजिक परिवर्तन की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप प्रसिद्ध अभिनेता अरुण बख्शी कॉमेडियन एहसान कुरैशी, अभिनेत्री, जसमीत कौर, अभिनेता राजेश टंडन, गायिका दीपा उदित नारायण, डॉ सत्री शाह सहित कई छोटे एवं बड़े परदे के कलाकार मौजूद रहे ॥

वार्ड 82 में गूंजा 'वंदे मातरम्', देशभक्ति के रंग में डूबा पूरा क्षेत्र

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। विधानसभा क्रमांक 4 के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 82 में आज देशभक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जब पूरे क्षेत्र में वंदे मातरम् गान की गूंज सुनाई दी। इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन यशस्वी नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लेकर राष्ट्रप्रेम का परिचय दिया। कार्यक्रम में लोकप्रिय पार्षद नितिन (शानू) शर्मा की विशेष उपस्थिति रही। उनकी मौजूदगी ने आयोजन को और अधिक गरिमामयी बना दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने और युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने का सशक्त माध्यम हैं।

"देशभक्ति सिर्फ शब्द नहीं, यह हमारे संस्कारों की पहचान है" – नितिन (शानू) शर्मा उन्होंने आगे कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझे और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाए। इस दौरान "वंदे मातरम् वार्ड 82 परिवार" के सदस्यों ने एक साथ मिलकर सामूहिक वंदे मातरम् गान किया, जिससे पूरा माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया। कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की भागीदारी उल्लेखनीय रही। "ऐसे आयोजन समाज में एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं" – सुमित मिश्रा कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा देना और लोगों को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। आयोजन के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की और इसे निरंतर जारी रखने की बात कही। अंत में सभी उपस्थित नागरिकों ने राष्ट्रहित में कार्य करने, देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने तथा समाज के विकास में योगदान देने का संकल्प लिया। इस आयोजन ने वार्ड 82 के लोगों के बीच नई ऊर्जा, उत्साह और एकजुटता का संदेश दिया।

राष्ट्रीय गीत विवाद पर इंदौर में विरोध प्रदर्शन, विभिन्न वार्डों में पुतला दहन

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर।राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को लेकर हुए विवाद के बाद इंदौर शहर में विरोध तेज हो गया है। इसी क्रम में शहर के विभिन्न वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। जानकारी के अनुसार, शहर के करीब 85 वार्डों में प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया गया और भारत माता की जय के नारों के साथ राष्ट्रीय गीत गाया गया। यह विरोध उस घटना के बाद सामने आया, जिसमें कांग्रेस की महिला पार्षदों — फोजिया शेख, फोजिया शेख अलीम और रुबीना इकबाल — द्वारा सदन में राष्ट्रीय गीत गाने से इनकार किए जाने की बात सामने आई थी। इस घटना को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी गई।

वार्ड क्रमांक 16 में आयोजित विरोध प्रदर्शन में पार्षद सोनाली मुकेश धरकर विशेष रूप से मौजूद रहीं। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग के पूर्व नगर अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण साहू, मंडल महामंत्री जुनु दुबे, मुकेश धरकर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया और एक स्वर में राष्ट्रीय गीत का सम्मान बनाए रखने की बात कही। इस दौरान नेताओं ने कहा कि राष्ट्रगीत का सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य है और इसका अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। मंडल महामंत्री जुनु दुबे ने कहा कि यदि इस प्रकार की घटनाएं दोबारा होती हैं, तो पार्टी कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रखेंगे। साथ ही उन्होंने संबंधित जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई। विरोध प्रदर्शन के दौरान पूरे क्षेत्र में देशभक्ति के नारे गूंजते रहे और कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय एकता एवं सम्मान बनाए रखने का संकल्प लिया।

वंदे मातरम् के सामूहिक गान से गूंजा बाणगंगा, विरोध में पुतला दहन

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। Indore नगर निगम के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस पार्षदों द्वारा वंदे मातरम् गान को लेकर उत्पन्न विवाद के बाद शहर में विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में विधानसभा 01 के वार्ड क्रमांक 10 बाणगंगा मेन रोड पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा वंदे मातरम् का सामूहिक गान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने वंदे मातरम् गाकर देशभक्ति का संदेश दिया और विरोध स्वरूप कांग्रेस के खिलाफ पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में "भारत माता की जय" के नारे गूंजते रहे और माहौल राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मुन्ना साहू, ऋषभ संतोष सिंह गौर, वार्ड अध्यक्ष शुभम शर्मा, अजय बमरेले, अमन यादव, राम कश्यप, विनोद कश्यप, आकाश गौड़, निक्की वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके साथ ही वरिष्ठ नेता बबिता ठाकुर, बूथ अध्यक्ष राधा पटेल, रमेश रायकवार, लोकेश गोहर, लखन बमनेहरे, संजय साहू, मोहित प्रजापति, सुरेंद्र यादव, अंकित पाल, नारायण मेहता, कालू कौशल, लक्की यादव, स्वयं साहू, नीलेश कौशल, आशीष पाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि राष्ट्रीय गीत का सम्मान हर नागरिक का कर्तव्य है और इसके प्रति किसी भी प्रकार की अनदेखी या अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के विरोध प्रदर्शन जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान बनाए रखने का संकल्प लिया।

छत्रीपुरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: हॉट स्पॉट चेकिंग में 3 किलो गांजा जब्त, महिला आरोपी गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। Indore Police की छत्रीपुरा थाना पुलिस को हॉट स्पॉट चेकिंग के दौरान एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 3 किलो अवैध मादक पदार्थ (गांजा) के साथ एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई दिनांक 10 अप्रैल 2026 को थाना छत्रीपुरा क्षेत्र के हॉट स्पॉट गंगवाल बस स्टैंड पर की गई। पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक महिला पुलिस को देखकर भागने लगी, जिसे तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान महिला के पास रखी कपड़े की पोटली में से लगभग 3 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1,50,000 रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई है।

आरोपी की जानकारी

गिरफ्तार महिला का नाम रानी (उम्र 28 वर्ष) बताया गया है, जो इंदौर के मटन वाली गली, लावारिया भेरू क्षेत्र की निवासी है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कार्रवाई यह पूरी कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में छत्रीपुरा थाना प्रभारी एवं टीम द्वारा हॉट स्पॉट पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इनकी रही प्रमुख भूमिका इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी संजय श्रीवास्तव, सर्जेंट हिदायत बाकर, एवं अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नवनिर्मित होम्योपैथी औषधालय का विधायक द्वारा हुआ शुभारंभ

प्रदीप सिंह बघेल

विधायक श्री जयसिंह मरावी ने विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर संभागीय मुख्यालय शहडोल के कोटमा तिराहा के पास 47 लाख 48 हजार रूपये की लागत से नवनिर्मित शासकीय होम्योपैथी औषधालय का फीता काटकर एवं विधि विधान से पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया।

विधायक श्री जयसिंह मरावी ने कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति सस्ती, सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार प्रदान करती है, जिससे आमजन को लाभ मिलेगा। इस औषधालय के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को अब निःशुल्क उपचार की सुविधा प्राप्त होगी। कार्यक्रम को सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा, नगरपालिका अध्यक्ष श्री घनश्याम जायसवाल ने भी सम्बोंधित किया। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर निःशुल्क मेगा होम्योपैथी शिवर का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष नगरपालिका श्री प्रवीण शर्मा, जिला आयुष अधिकारी डॉ शषि प्रभा प्राण्डेय, जिला होम्योपैथी अधिकारी डॉ. अल्पना इरपाचे सहित अन्य जनप्रनिधि, अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहें। इस अवसर पर विधायक श्री जयसिंह मरावी सहित उपस्थितजनो ने पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शासकीय होम्योपैथी औषधालय परिसर में पौधरोपण भी किया।

बुरहानपुर: प्यासे ग्रामीण और सोता प्रशासन; कलेक्टर के आदेशों को ठेंगे पर रख रहा पीएचई विभाग

रणजीत टाईम्स- महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुर। भीषण गर्मी के इस दौर में जहां ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तपती धूप में मीलों भटकने को मजबूर हैं, वहीं जिले के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी अपने वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर आराम फरमा रहे हैं। मामला खकनार ब्लॉक के ग्राम जामुनिया के ध्यानसिंग फलिया का है, जहां जल संकट अब विकराल रूप ले चुका है।

कलेक्टर के निर्देश 'कागजी', धरातल पर प्यास का कब्जा- गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व ही कलेक्टर श्री सिंह ने पीएचई विभाग को सख्त निर्देश दिए थे कि पेयजल की गुणवत्ता का नियमित परीक्षण किया जाए और जल संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित हो। कलेक्टर की मंशा थी कि गर्मी के मौसम में किसी भी नागरिक को पानी के लिए परेशान न होना पड़े। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि पीएचई विभाग के अधिकारी 'टस से मस' नहीं हो रहे हैं। विभाग की सुस्ती और महज कागजों तक सीमित कार्रवाई ने ग्रामीणों को बेहाल कर दिया है। ग्राम जामुनिया के ध्यानसिंग फलिया में एक महीने से ट्यूबवेल बंद पड़ा है। लोग पानी को तरस रहे है। पीएचई विभाग के अधिकारीयो द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चंदा इकट्ठा कर खुद मैकेनिक बने ग्रामीण- प्रशासन की अनदेखी का आलम यह है कि ग्राम जामुनिया के ध्यानसिंग फलिया के ग्रामीणों ने अब सरकारी मदद की उम्मीद छोड़ दी है। ग्रामीण राम सिंह ने बताया कि "हमने हार मानकर गांव के हर घर से 50-50 रुपये का चंदा इकट्ठा किया। खुद मैकेनिक बुलाया, पाइप डलवाए और मजदूरी दी। लेकिन इसके बावजूद हैंडपंप से पानी नहीं निकल पाया। नए ट्यूबवेल और हैंडपंप शुरू करवाने के लिए तरस रहे है ग्रामीण।

दफ्तरों में बैठे अधिकारियों को नहीं दिख रहा ग्रामीणों का दर्द- ग्राम पंचायत जामुनिया के ध्यानसिंग फलिया की महिलाएं और बुजुर्ग कई किलोमीटर दूर जाकर पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पीएचई विभाग को कई बार सूचना दी गई, लेकिन विभाग केवल फाइलों को इधर-से-उधर करने में लगा है। अधिकारियों की इस कार्यशैली से ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें जनता की तकलीफों से कोई सरोकार नहीं है।

मुख्य समस्याएं जो प्रशासन को नहीं दिख रहीं- एक महीने से सूखे हैंडपंप: गांव के जल स्त्रोत पूरी तरह सूख चुके हैं। दूरी की मार: ग्रामीणों को 2-3 किलोमीटर दूर से पानी ढोना पड़ रहा है। विभागीय लापरवाही: कलेक्टर के आदेश के बावजूद शिकायतों पर कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा। जामुनिया के ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पीएचई विभाग ने अपनी कुंभकर्णी नींद त्याग कर पेयजल व्यवस्था दुरुस्त नहीं की, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। अब देखना यह है कि क्या वरिष्ठ अधिकारी इन सुस्त मातहतों पर कोई कार्रवाई करते हैं या ग्रामीण इसी तरह प्यासे मरते रहेंगे।

मानसिक व्याधियों में अत्यंत लाभकारी है सहजयोग ध्यान

इस घोर कलियुग में मानसिक समस्या एक बहुत बड़ी त्रासदी है। मानसिक रोग यानि सिर्फ पागलपन नहीं पर डिप्रेशन भी है। अपने मन को स्वयं के काबू में नहीं रख पाने से ही ऐसी समस्याएं आती है। इस प्रतियोगिता वाले युग में स्वंय को औरों से कम पाने पर इंसान अंदर ही अंदर घुटने लगता है और मानसिक व्यथा को झेलता है। सफल इंसान भी और ज्यादा पाने की ललक में स्वयं को इस प्रतियोगिता से दूर नहीं रख पाता है और मन की समस्या का सामना करने को विवश होता है।

हम सभी ने अपने जीवन में कई गलतियां की होती है, जिसे हम भले ही सबसे छुपा लें पर अपने आप से नहीं छुपा सकते हैं। हमारी इन गलतियों को ईश्वर सदैव क्षमा कर देते हैं पर हम और हमारा अंतर्मन स्वयं को निर्दोष मानने से रोक नहीं पाते हैं और कितना भी चाहे इस आंतरिक अपराध बोध से मुक्ति नहीं मिलती। मानसिक व्याधियों का एक बड़ा कारण अपराध बोध का भार ही है। असंतुलन की स्थिति में व्यक्ति और बड़ा अपराध कर बैठता है अथवा आत्महत्या जैसा पाप कर बैठता है, जैसे कि अंत में हिटलर ने किया था। अमेरिका के प्रसिद्ध मनोचिकित्सक ब्रायन बांस ने अपनी एक पुस्तक में लिखा है कि पुनर्जन्म सत्य है और जीव अपने पूर्वजन्मों के कर्मों के अनुरूप अगले जन्म में वैसी मनोस्थिति व व्यक्तित्व को प्राप्त करता है। अक्सर लोग मनोचिकित्सकों या आध्यात्मिक गुरुओं के पास अपराध बोध से मुक्ति पाने के लिए जाते हैं, परंतु आज तक इस व्याधि का कोई कारगर इलाज संभव नहीं हुआ है। विशेषज्ञों के मतानुसार पश्चाताप और विवेक ऐसे उपाय हैं जिनके द्वारा इससे कुछ हद तक मुक्ति पाई जा सकती है। पश्चाताप यदि केवल दिखावे के लिए किया जाएगा तो उससे कोई लाभ नहीं होगा। साधारणतया लोग यह सोचते हैं कि इसके लिए बस एक अच्छे गुरु की आवश्यकता होती है जो सर्वप्रथम अपराधी के विवेक को जाग्रत करता है और उसके बाद उसे पश्चाताप की सही विधि बताता है। इसीलिए आदिकाल में राक्षसों के भी गुरु होते थे जैसे कि शुक्राचार्य थे।

परंतु सहज योग ध्यान प्रक्रिया में मानव को स्वयं का गुरु बनाकर मानसिक व्यथा से मुक्त किया जाता है। श्री माताजी कहती हैं निर्दोष भाव से मुक्त हो अपने अंतर के ईश्वर से एकाकारिता ही आत्मोन्नति का मार्ग है। जब हमारी कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर। उर्ध्वगामी होती है और विशुद्धि चक्र को स्पर्श करती है तब हमारे अन्दर का दोषी भाव पूर्णरुपेण समाप्त होता है और हम स्वयं पूर्णतया निर्दोष हो जाते है। यह भाव हमारे प्रगति मार्ग को प्रशस्त करता है।

सहजयोग की प्रणेता परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने इसकी व्याख्या करते हुए 1जुलाई1992 को दिए गए प्रवचन में कहा था, "मैं चाहती हूं कि आपके मन में अपने प्रति बहुत मधुर भावना रहे। आपने जो भी गलतियाँ की हैं, उन्हें भूल जाइए। इसे भूल जाओ क्योंकि यह सर्वव्यापी शक्ति क्षमा का सागर है, इसलिए आप ऐसी कोई गलती नहीं कर सकते जो करुणा के इस सागर में पूरी तरह से विलीन न हो सके।" श्री माताजी का यह कथन तभी संभव हो पायेगा जब सहज योग पद्धति से ध्यान कर भूतकाल के दुष्प्रभाव से छुटकारा पायें। चलिये हम सभी इस करुणा के सागर में विलीन हो स्वयं को अंदर से शक्तिशाली बनाते हैं, जुड़ते हैं सहज योग से। नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर पहुंचे बंटू ढाबा

दिव्यानंद अर्गल

मालनपुरः- शुक्रवार को मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भिंड से एक कार्यक्रम के दौरान लौटते समय अपने काफिले के साथ अचानक बंटू ढाबा पहुंचे। उनके ढाबे पर पहुंचने की खबर मिलते ही क्षेत्र में चर्चा का माहौल बन गया। ढाबा संचालक दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंटू, विधानसभा अध्यक्ष तोमर के बेहद करीबी और पुराने सहयोगी माने जाते हैं।

तोमर के पहुंचते ही बंटू ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया दोनों के बीच काफी देर तक आत्मीय बातचीत हुई। इस दौरान तोमर ने ढाबे पर चाय की चुस्की ली और बंटू से क्षेत्र के हालात पर चर्चा की। इस दौरान दिनेश सिंह परिहार और बंटू ने अपने विद्यालय शिवाजी पब्लिक एवं बचपन इंटरनेशनल स्कूल स्टाफ से भी रूबरू कराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि नरेंद्र सिंह तोमर जब भी इस क्षेत्र से गुजरते हैं, बंटू ढाबे पर जरूर रुकते हैं। बंटू ढाबा क्षेत्र में अपने स्वाद और साफ-सफाई के लिए जाना जाता है विधानसभा अध्यक्ष के बंटू ढाबे पर रुकना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। तोमर कुछ देर रुकने के बाद ग्वालियर के लिए रवाना हो गए। इस दौरान बंटू ढाबा संचालक दिनेश सिंह परिहार ने बताया कि श्री तोमर आज विधानसभा अध्यक्ष है पहले केंद्रीय कृषि मंत्री , प्रदेश अध्यक्ष जैसे बड़े पदों पर भी रह चुके हैं बावजूद भी वह आम लोगों की तरह रहते हैं, इतने बड़े नेता होने के बावजूद भी अपने पुराने सहयोगी और कार्यकर्ताओं को नहीं भूलते हैं और उनके दुख सुख में साथ खड़े रहते हैं, मैं तो पार्टी का एक छोटा कार्यकर्ता हूं और श्री तोमर का सहयोगी हो हूं आज मेरे यहां विधानसभा अध्यक्ष का आगमन हुआ यह हमारे लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर अशोक सिंह जादौन(बाबा) अशोक जैन, अशोक सिंह तोमर, बबलू सिंह तोमर, हनुमत सिंह तोमर, सचिन सिंह परिहार, राहुल सिंह परिहार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रणजीत टाइम्स विशेष लेख

महात्मा ज्योतिबा फुलेः सामाजिक क्रांति के अग्रदूत

भारत के महान समाज सुधारकों में महात्मा ज्योतिराव फुले का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने ऐसे समय में समाज सुधार का बिगुल बजाया, जब देश में जात-पात, ऊँच-नीच और महिलाओं के साथ भेदभाव अपने चरम पर था।

शिक्षा का अलख जगाने वाले- महात्मा फुले ने समाज में शिक्षा के महत्व को समझते हुए महिलाओं और दलितों के लिए शिक्षा के द्वार खोले। उन्होंने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर भारत का पहला बालिका विद्यालय शुरू किया। यह उस समय एक क्रांतिकारी कदम था।

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष-फुले जी ने सती प्रथा, बाल विवाह और छुआछूत जैसी कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों को उनके अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया।

\किसानों और मजदूरों के हितैषी-महात्मा फुले ने किसानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने अपने लेखों और कार्यों के माध्यम से शोषण के खिलाफ जागरूकता फैलाई और समानता का संदेश दिया।

सत्यशोधक समाज की स्थापना-1873 में उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना था। यह संगठन जाति भेदभाव के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन बना।

प्रेरणा आज भी जीवित-आज भी महात्मा ज्योतिबा फुले के विचार समाज को दिशा देते हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा और समानता के बिना समाज का विकास संभव नहीं है।

निष्कर्षः-महात्मा ज्योतिबा फुले केवल एक समाज सुधारक नहीं, बल्कि एक ऐसी विचारधारा के प्रतीक थे जो आज भी भारत के हर वर्ग को प्रेरित करती है।

रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादकः गोपाल गावंडे

असदुद्दीन ओवैसी ने हुमायूं कबीर की पार्टी से नाता तोड़ा, AIMIM बंगाल चुनाव अकेले लड़ेगी

हैदराबादः तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले हुमायूं कबीर का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने पर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक विवाद छिड़ गया. इस विवाद के बीच असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुलमुस्लिमीन ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के साथ अपना गठबंधन वापस लेने का ऐलान किया है ओवैसी की पार्टी ने कहा कि, वह पश्चिम बंगाल चुनाव अकेले ही लड़ेगी और आगे किसी भी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले दोनों पार्टियों के बीच टूट ने मीडिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है।

ओवैसी की पार्टी की तरफ से यह घोषणा कबीर की बातों और खुलासों के बाद की गई है, जिसके बारे में एआईएमआईएम ने कहा कि इससे मुसलमानों की ईमानदारी को लेकर चिंताएं पैदा हुई हैं. एक कड़े बयान में, पार्टी ने कहा कि वह "ऐसे किसी भी बयान से नहीं जुड़ सकती जिसमें मुसलमानों की ईमानदारी पर सवाल उठाया गया हो. इसके साथ ही पार्टी ने आधिकारिक तौर पर हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी से गठबंधन खत्म करने का ऐलान कर दिया।

एआईएमआईएम ने इस मौके पर पश्चिम बंगाल में मुसलमानों को लगातार सामाजिक-आर्थिक रूप से अलग-थलग किए जाने के विषय को भी प्रमुखता से उठाया. पार्टी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय सबसे गरीब, नजरअंदाज और दबा हुआ बना हुआ है, जबकि दशकों से ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और पिछली सरकारों समेत सेक्युलर राजनीतिक ढांचे का दावा करने वाली पार्टियों ने राज किया है।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "हुमायूं कबीर के खुलासे से पता चला है कि बंगाल के मुसलमान कितने कमजोर हैं. एआईएमआईएम ऐसे किसी भी बयान से नहीं जुड़ सकती जिसमें मुसलमानों की ईमानदारी पर सवाल उठाया गया हो. आज से, AIMIM ने कबीर की पार्टी के साथ अपना गठबंधन वापस ले लिया है।

पार्टी ने आगे कहा कि, बंगाल के मुसलमान सबसे गरीब, नजरअंदाज और दबे हुए समुदायों में से एक हैं. दशकों के सेक्युलर शासन के बावजूद, उनके लिए कुछ नहीं किया गया है. किसी भी राज्य में चुनाव लड़ने की AIMIM की नीति यह है कि हाशिए पर पड़े समुदायों की एक आजाद राजनीतिक आवाज हो।

मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने के विवादित प्रस्ताव के बाद हुमायूं कबीर को तृणमूल कांग्रेस से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था. इसके बाद उन्होंने पश्चिम बंगाल में चुनाव लड़ने के लिए आम जनता उन्नयन पार्टी बनाई. पश्चिम बंगाल में 294 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होगा, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

'बिहार में 5 दलों के नेता चुनेंगे CM', नीतीश कुमार के करीबी मंत्री ने बताई बात

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज दिल्ली में राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। वे गुरुवार को दिल्ली पहुंच गए हैं। वहां जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और अन्य पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत किया

दिल्ली एयरपोर्ट पर नीतीश कुमार ने कहा, "मैं यहां शपथ लेने आया हूं।" उनकी शपथ राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन के कमरे में ली जाएगी। शपथ लेने के बाद बिहार में सत्ता बदलाव की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। नीतीश कुमार के बाद बिहार का सीएम कौन होगा, इसकी चर्चा फिर से तेज हो गई है।

'कुछ दिन की बात है' बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बिहार सीएम फेस पर कहा कि मुख्यमंत्री वही बनेगा जिसको NDA विधायक दल का नेता चुना जाएगा। तो अब कुछ दिन की बात है आप इंतजार कर लीजिए।

उन्होंने आगे कहा कि यह एक दल की बात नहीं है 5 दलों की बात है, 5 दलों के विधायक बैठेंगे फिर उस पर अलग-अलग दल के प्रस्ताव होंगे उसमें जो निर्णय होगा वो नेता चुने जाएंगे। वही सीएम होगा।

बिहार को आगे लेकर जाएं

वहीं, JDU नेता संतोष निराला ने नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लेने पर कहा कि खुशी की बात है कि हमारे नेता नीतीश कुमार राज्यसभा की शपथ ले रहे हैं। हम सब उन्हें बधाई देने के लिए आए हुए हैं इसी तरह से और आगे बढ़ते रहे देश की राजनीति और राज्य की राजनीति जो आपकी पहचान है उस पहचान को और मजबूती से बिहार को आगे लेकर जाए।

पुलिस कर रही अपना काम

पवन खेड़ा पर कार्रवाई को लेकर बोले सीएम हिमंत; गौरव गोगोई पर भी साधा निशाना

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि राज्य पुलिस कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के मामले में अपना काम कर रही है। यह मामला मुख्यमंत्री की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत से जुड़ा है, जिसमें कई पासपोर्ट रखने और विदेशी संपत्तियों के स्वामित्व का आरोप लगाया गया है। पुलिस की भूमिका परजोर विधानसभा चुनावों के मतदान समाप्त होने के बाद असम भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "हमने पुलिस को खेड़ा के पीछे लगाया है। हम और किसे यह काम सौंपेंगे? अगर एफआईआर दर्ज हुई है, तो पुलिस का कर्तव्य है कि वह उस पर कार्रवाई करे।"

उन्होंने आगे कहा, "पुलिस कानून को मानती है और वे एक ऐसे व्यक्ति के घर जा रहे हैं जिसका नाम एक मामले में है, जो कानूनी है। पुलिस को अपराधियों के घर जाने के लिए वेतन मिलता है।"पवन खेड़ा के आरोपों पर जवाब सरमा की यह प्रतिक्रिया पवन खेड़ा के उस दावे के जवाब में आई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री ने अपनी पत्नी पर आरोप लगाने के कारण उनके खिलाफ पुलिस को खुला छोड़ दिया है। असम पुलिस की एक टीम ने मंगलवार को कांग्रेस नेता के दिल्ली स्थित आवास पर तलाशी ली थी, जो मुख्यमंत्री की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर आधारित थी। हालांकि, वह पवन खेड़ा को नहीं ढूंढ पाईं।गौरव गोगोई पर भी साधा निशाना मुख्यमंत्री ने गौरव गोगोई की अनुपस्थिति का जिक्र कर सीएम सरमा ने कहा, "गौरव गोगोई अपनी मां के साथ वोट देने गए थे, अपनी पत्नी के साथ नहीं। मैं अपनी पत्नी के साथ गया था।

अगर उनकी पत्नी उनके साथ जा सकती तो कितना अच्छा लगता।" उन्होंने आगे कहा, "यह मेरे आरोपों को साबित करता है कि वह अपने परिवार को भारतीय नहीं बना सके। ऐसा व्यक्ति हमारी सेवा कैसे करेगा?" समान नागरिक संहिता और भविष्य की योजनाएं मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अगर भाजपा सत्ता में लौटती है, तो समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी, लेकिन जल्दबाजी में नहीं। उन्होंने कहा कि असम में विभिन्न जनजातियों और समुदायों से परामर्श किया जाएगा।

सरमा ने पार्टी के घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने की भी पुष्टि की और कहा कि विधानसभा चुनावों का एक चरण में संपन्न होना राज्य में शांति की वापसी का प्रमाण है, जो विकास और निवेश के नए द्वार खोलेगा।

MP में 'मीटर गेम' पर 492 करोड़ खर्च, फिर भी नहीं थमी बिजली चोरी

स्मार्ट मीटर और टेक्नोलॉजी के दावे फेल-ग्राउंड पर चोरी जारी, सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल

भोपाल/इंदौर। मध्य प्रदेश में बिजली चोरी रोकने के लिए सरकार और बिजली कंपनियों ने पिछले कुछ वर्षों में करीब 492 करोड़ रुपये "मीटर सुधार" और स्मार्ट सिस्टम पर खर्च किए, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं। चोरी के मामलों में अपेक्षित कमी नहीं आई, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

क्या था 'मीटर गेम'?

राज्य में बिजली वितरण कंपनियों ने बड़े स्तर पर स्मार्ट मीटर लगाने, पुराने मीटर बदलने, रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करने और लाइन लॉस कम करने जैसे कदम उठाए। दावा किया गया था कि इससे चोरी पर लगाम लगेगी और बिलिंग में पारदर्शिता आएगी।

जमीनी हकीकत क्या है?

हालांकि कई जिलों से मिल रही रिपोर्ट्स कुछ और ही कहानी बता रही हैं। कई जगह स्मार्ट मीटर बायपास कर दिए गए हैं, डायरेक्ट लाइन यानी 'कटिया' डालकर बिजली ली जा रही है, मीटर से छेड़छाड़ कर रीडिंग कम दिखाई जा रही है और छापेमारी से पहले ही सूचना लीक होने के आरोप लग रहे हैं। यानी टेक्नोलॉजी आई, लेकिन चोरी के तरीके भी "अपग्रेड" हो गए।

कहाँ अटक रहा सिस्टम?

विशेषज्ञों के अनुसार समस्या सिर्फ तकनीक की नहीं बल्कि सिस्टम की है। जहां डिजिटल निगरानी होनी चाहिए, वहां अभी भी स्थानीय स्तर पर "सेटिंग" हावी है। लाइनमैन से लेकर कुछ अधिकारियों तक की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। कई मामलों में राजनीतिक दबाव के चलते कार्रवाई नहीं हो पाती और "ऊपर से फोन" आने पर फाइलें ठंडी पड़ जाती हैं। डेटा तो बन रहा है, लेकिन उस पर समय पर एक्शन नहीं लिया जा रहा।

कितना हो रहा नुकसान?

ऊर्जा विभाग के अनुमानों के अनुसार हर साल हजारों करोड़ रुपये का AT&C लॉस हो रहा है, जिसमें ट्रांसमिशन लॉस के साथ बिजली चोरी भी शामिल है। इसका सीधा असर ईमानदारी से बिल भरने वाले उपभोक्ताओं पर पड़ता है। मतलब साफ है—जो चोरी कर रहा है वह बच रहा है और जो बिल भर रहा है वही महंगी बिजली का बोझ उठा रहा है।

कार्रवाई क्या हुई? समय-समय पर स्पेशल ड्राइव चलाए गए, हजारों कनेक्शन काटे गए और जुर्माना भी वसूला गया, लेकिन यह कार्रवाई स्थायी समाधान साबित नहीं हो पाई।

तेज सवालः 492 करोड़ खर्च के बाद भी चोरी क्यों नहीं रुकी? क्या टेक्नोलॉजी से ज्यादा सिस्टम की नीयत कमजोर है? क्या बिना अंदरूनी मिलीभगत के इतना बड़ा खेल संभव है?मीटर बदलने से नहीं, मंशा बदलने से रुकेगी चोरी... वरना करोड़ों खर्च होते रहेंगे और 'करंट' कहीं और जाता रहेगा।

बच्चों में कैंसर से होने वाली मौतों में भारत नंबर 1, रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

बचपन में कैंसर से होने वाली मौतों में से 94 प्रतिशत मौत और कर्क रोग के 85 प्रतिशत नए मामले कम एवं मध्यम आय वाले देशों में होते हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और उपचार में असमानताओं का पता चलता है। यह बात 'लैंसेट' नामक पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में कही गई है। अध्ययन के अनुसार, 2023 में, बच्चों में कैंसर से हुई कुल मौतों में से भारत में 17,000, चीन में 16,000, और नाइजीरिया तथा पाकिस्तान में लगभग नौ-नौ हजार मौत हुईं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीजेज, इंजरीज, एंड रिस्क फैक्टर्स स्टडी' (जीबीडी) के डेटा के विश्लेषण के अनुसार, 2023 में दुनिया भर में बचपन में कैंसर के 3,77,000 नए मामले सामने आए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 1,44,000 मौतें हुईं। अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि दुनिया भर में बच्चों में कैंसर से होने वाली मौतों में 1990 के 1.97 लाख के मुकाबले 27 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन अफ्रीका में इनमें 55.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि बचपन का कैंसर, बच्चों की मृत्यु का आठवां सबसे बड़ा कारण पाया गया और यह स्थिति उन जगहों पर कहीं ज़्यादा है जहां संसाधनों की कमी है भारत सहित, कम-मध्यम सामाजिक-जनसांख्यिकीय सूचकांक वाले देशों में, 2023 में सभी आयु वर्गों में वैश्विक कैंसर मौतों में बचपन के कैंसर का योगदान ग्यारहवां सबसे अधिक पाया गया। अनुसंधाकर्ताओं ने लिखा, ''बचपन के कैंसर का अधिकांश असर उन जगहों पर देखने को मिला, जहां संसाधन सीमित थे जिनमें 85.1 प्रतिशत मामले और 94.1 प्रतिशत मौत के मामले विश्व बैंक के वर्गीकरण के अनुसार कम आय वाले, निम्न-मध्यम आय वाले और उच्च-मध्यम आय वाले देशों में देखने को मिले।'' रिपोर्ट के अनुसार, ल्यूकेमिया के कारण होने वाली मौत (45,900) दुनिया भर में बच्चों में होने वाली कैंसर से संबंधित मौतों में सबसे बड़ा योगदान देने वाली पाई गईं। इसके बाद मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का कैंसर (23,200) और 'नॉन-हॉजकिन लिंफोमा' (15,200, लसीका तंत्र का कैंसर) का स्थान रहा।

युद्धविराम पर मंडराता संकटः अमेरिका-ईरान समझौता लागू होने से पहले ही डगमगाया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच 40 दिनों की भीषण जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच जिस युद्धविराम पर सहमति बनी थी, वह लागू होने से पहले ही संकट में घिरता नजर आ रहा है। हालात इस कदर उलझ गए हैं कि जिस समझौते से दुनिया को राहत की उम्मीद थी, वही अब अविश्वास और टकराव की भेंट चढ़ता दिख रहा है। इस ताजा संकट की सबसे बड़ी वजह इजरायल द्वारा लेबनान पर जारी हमले हैं। इजरायल का साफ कहना है कि लेबनान में उसकी सैन्य कार्रवाई युद्धविराम समझौते के दायरे में नहीं आती, जबकि ईरान इसे समझौते का उल्लंघन मान रहा है। इसी असहमति के चलते ईरान ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने से पीछे हटने का संकेत दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर चिंता और गहरा गई है। स्थिति और जटिल तब हो गई जब इजरायल के हमलों के जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। इसके साथ ही अमेरिका ने भी सख्त रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि यदि युद्धविराम लागू नहीं होता, तो उसकी सेनाएं ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए तैयार हैं। इस तरह पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया है और युद्धविराम की संभावना लगातार कमजोर पड़ती जा रही है।

इस नाजुक स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता के तहत ईरान का जो प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद जाने वाला था, उसका दौरा भी अनिश्चित हो गया है। यह घटनाक्रम इस बात का संकेत है कि दोनों पक्षों के बीच भरोसे की कमी कितनी गहरी हो चुकी है। दरअसल, युद्धविराम की शर्तों को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। दोनों एक-दूसरे पर गलतफहमी और शर्तों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगा रहे हैं। यह स्थिति तब पैदा होती है जब संवाद में स्पष्टता की कमी हो और अविश्वास चरम पर पहुंच जाए। इसमें पाकिस्तान की भूमिका भी सवालों के घेरे में है, जिसे मध्यस्थ के बजाय एक संदेशवाहक के तौर पर देखा जा रहा है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि अमेरिका और ईरान वास्तव में शांति चाहते हैं, तो उन्हें किसी ऐसे विश्वसनीय मध्यस्थ की जरूरत होगी, जिस पर दोनों पक्ष भरोसा कर सकें। केवल समझौते की घोषणा करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे लागू करने के लिए पारदर्शिता और आपसी विश्वास भी जरूरी है। यह भी समझना होगा कि यह युद्धविराम केवल पश्चिम एशिया तक सीमित मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बाधित होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और ऊर्जा बाजार पर गंभीर असर पड़ रहा है। तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने से विश्व अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं, जिससे उद्योग-धंधों से लेकर आम लोगों की जिंदगी तक प्रभावित हो रही है।

जल जीवन मिशन घोटाला

सुबोध अग्रवाल की गिरफ्तारी से बढ़ी सियासी व प्रशासनिक हलचल

राजस्थान के बहुचर्चित जल जीवन मिशन (JJM) घोटाले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने 9 अप्रैल को पूर्व आईएएस Subodh Agarwal को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। अब उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी है, जिससे मामले में और बड़े खुलासों की संभावना जताई जा रही है। गिरफ्तारी से पहले तक बचने की कोशिशों के बावजूद अग्रवाल को अंततः हिरासत में लेना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान उनके बयान इस पूरे मामले को और व्यापक बना सकते हैं।

सुधांश पंत पर भी बढ़ेगी जांच की आंच?

इस मामले में अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या एसीबी Sudhansh Pant को भी जांच के दायरे में लाएगी। अग्रवाल ने पहले ही अपने बयानों में संकेत दिया है कि जल जीवन मिशन में हुए कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के लिए वे अकेले जिम्मेदार नहीं हैं।

अग्रवाल के अनुसार, जब उन्होंने जलदाय विभाग का कार्यभार संभाला, उससे पहले विभाग के प्रमुख के रूप में पंत महत्वपूर्ण पद पर थे और टेंडरों की स्वीकृति सहित कई अहम निर्णय उनके कार्यकाल में लिए गए। बताया जा रहा है कि अग्रवाल ने टेंडरों से जुड़ी विस्तृत जानकारी लिखित रूप में एसीबी को सौंप दी है। यदि रिमांड के दौरान अग्रवाल अपने इन बयानों को दोहराते हैं और दस्तावेजी साक्ष्य सामने आते हैं, तो एसीबी के लिए सुधांश पंत को जांच के दायरे में शामिल करना एक बड़ा प्रशासनिक कदम होगा। पंत, जो वर्तमान में केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं और पहले राजस्थान के मुख्य सचिव भी रह चुके हैं, उनके खिलाफ जांच से व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

पूर्व मंत्री महेश जोशी की भी बढ़ सकती हैं मुश्किलें- जलदाय विभाग के पूर्व मंत्री Mahesh Joshi की मुश्किलें भी एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। जोशी पहले ही इस मामले में गिरफ्तार होकर जमानत पर बाहर हैं, लेकिन अग्रवाल की गिरफ्तारी के बाद नए सिरे से जांच की दिशा बदल सकती है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, विभागीय अधिकारियों पर कथित रूप से दबाव डालकर अपात्र फर्मों को करोड़ों रुपये के ठेके दिलवाए गए। कुछ फर्मों द्वारा फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र लगाने और घटिया सामग्री (स्टील के स्थान पर प्लास्टिक पाइप) उपयोग करने के आरोप भी सामने आए हैं।

एसीबी की जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि जिन फर्मों को दोषी पाया गया, उनसे जुड़ा आर्थिक लेनदेन कथित रूप से जोशी के परिवार तक पहुंचा। ऐसे में यदि अग्रवाल अपने बयान में इन तथ्यों की पुष्टि करते हैं, तो जोशी की पुनः गिरफ्तारी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

प्रभावशाली प्रशासनिक नेटवर्क वाला परिवार

पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल का परिवार भी चर्चा में है, जिसमें कई सदस्य उच्च प्रशासनिक सेवाओं में पदस्थ हैं। उनकी पत्नी रोली अग्रवाल दिल्ली में आईआरएस चीफ कमिश्नर हैं, बेटा शुभम अग्रवाल मुंबई में आईआरएस अधिकारी है। परिवार में अन्य सदस्य भी आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे उच्च पदों पर कार्यरत या सेवानिवृत्त हैं। आगे क्या? अब इस पूरे मामले की दिशा काफी हद तक एसीबी की रिमांड के दौरान होने वाली पूछताछ पर निर्भर करेगी। यदि अग्रवाल के पास मौजूद दस्तावेज और उनके बयान जांच एजेंसी को संतुष्ट करते हैं, तो यह मामला केवल एक अधिकारी तक सीमित न रहकर बड़े राजनीतिक और प्रशासनिक दायरे तक फैल सकता है। फिलहाल, राजस्थान की राजनीति और प्रशासनिक तंत्र दोनों की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या जांच एजेंसियां इस घोटाले में और बड़े नामों को भी शामिल करती हैं या नहीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया इस्तीफा, छापे में मिले थे '500 के जले हुए नोट'

जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने पद से इस्तीफा देते हुए राष्ट्रपति को त्यागपत्र सौंप दिया है। उनके खिलाफ कथित कैश कांड सामने आने के बाद यह बड़ा घटनाक्रम हुआ है। इस मामले को लेकर पहले से ही जांच चल रही थी और उनके खिलाफ संसदीय कार्रवाई की भी संभावना जताई जा रही थी।

कैश कांड के बाद बढ़ा विवाद

14 मार्च 2025 को दिल्ली स्थित उनके आवास पर आग लगने की घटना के दौरान 500 500 रुपये के नोटों के जले हुए बंडल मिलने का मामला सामने आया था। इस घटना के बाद न्यायिक और राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई थी। इसी विवाद के चलते उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट से स्थानांतरित कर इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया।

ट्रांसफर के बाद भी नहीं मिली जिम्मेदारी

ट्रांसफर के बाद उन्होंने 5 अप्रैल 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली, लेकिन उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया। जब तक उनके खिलाफ चल

रही इन-हाउस जांच पूरी नहीं हो जाती, उन्हें न्यायिक जिम्मेदारियों से दूर रखा गया था।

महाभियोग प्रस्ताव को दी थी चुनौती

कैश कांड के बाद जस्टिस वर्मा ने अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को चुनौती दी थी। उनका कहना था कि संसद के दोनों सदनों में प्रस्ताव लाया गया, लेकिन राज्यसभा (Rajya Sabha) ने इसे मंजूरी नहीं दी। इसके बावजूद लोक सभा (Lok Sabha) ने अकेले जांच समिति का गठन कर दिया, जिसे उन्होंने नियमों के खिलाफ बताया।

सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा मामला

इस पूरे विवाद पर मामला सुप्रीम कोर्ट (Supreme Court of India) तक पहुंचा। 6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच समिति के गठन में कुछ खामियां नजर आती हैं। हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह देखा जाएगा कि क्या ये खामियां इतनी गंभीर हैं कि पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जाए।

फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा निर्णय

8 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता (Justice Dipankar Datta) और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा (Justice Satish Chandra Sharma) की बेंच ने दो दिन की सुनवाई के बाद यह निर्णय लिया। हालांकि, कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को संसदीय समिति के सामने जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय देने से इनकार कर दिया।

संसदीय जांच पैनल पर उठे सवाल

7 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित संसदीय जांच पैनल में कुछ खामियां हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर बड़े तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 37 करोड़ रुपये का सोना जब्त; 24 महिलाएं गिरफ्तार

राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़े सोना तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 24 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इनके पास से 29.37 किलोग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 37.74 करोड़ रुपये है। अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर डीआरआई की मुंबई जोनल यूनिट ने बुधवार को 'ऑपरेशन धाहाबू ब्लिट्ज' चलाया। इसे इस वर्ष मुंबई एयरपोर्ट पर हुई सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक माना जा रहा है। 'धाहाबू' स्वाहिली भाषा में सोने को कहा जाता है। अधिकारियों ने बताया, 'डीआरआई को सूचना मिली थी कि केन्या के नैरोबी से आने वाली कुछ महिलाएं अपने साथ सोना

छिपाकर ला रही हैं। इसके बाद नैरोबी से मुंबई पहुंची 24 विदेशी महिलाओं को रोका गया। उनकी जांच के दौरान बैग और कपड़ों से 25.10 किलोग्राम सोने की ईंटें और 4.27 किलोग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए।' जांच में सामने आया कि इन महिलाओं को सोना छिपाने और सुरक्षा जांच से बच निकलने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया था। इससे यह संकेत मिलता है कि यह एक सुनियोजित तस्करी गिरोह है, जो ऐसे कैरियर के जरिए एयरपोर्ट सुरक्षा को चकमा देने की कोशिश कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार महिलाओं को अदालत में पेश किया जाएगा, जबकि तस्करी रैकेट के सरगनाओं को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

भोजशाला में मिटाए गए थे संस्कृत श्लोक

मंदिर के ऊपर बनाए थे नए स्ट्रक्चर, चौथे दिन की सुनवाई में दिए ये तर्क

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच में धार भोजशाला विवाद पर सुनवाई जारी है. वहीं, गुरुवार को सुनवाई के चौथे दिन सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने हिंदू पक्ष की ओर से कोर्ट के समक्ष विभिन्न तर्क रखे. अधिवक्ता ने हाईकोर्ट के बताया कि भोजशाला को मूल स्ट्रक्चर तोड़कर वहां पर तीसरा स्ट्रक्चर बनाया गया था. यहां संस्कृत श्लोकों को मिटाकर उनपर स्ट्रक्चर बनाने के भी सबूत मिले हैं, जिन्हें कोर्ट के सामने पेश किया गया है।

मंदिर तोड़कर उसपर हुआ निर्माण, संस्कृत के श्लोक मिटाए

अधिवक्ता पार्थ यादव ने बताया कि धार भोजशाला को लेकर इंदौर हाई कोर्ट में अब नियमित रूप से सुनवाई चल रही है. चौथे दिन भी हिंदू पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने एएसआई की सर्वे रिपोर्ट का हवाला दिया. भोजशाला में एएसआई सर्वे के मुताबिक परिसर के

अंदर संस्कृत के श्लोक लिखे हुए थे, जिन्हें मिटाया गया और कई प्राचीन स्ट्रक्चर को तोड़कर वहां से हटाया गया है. रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वर्तमान में दिखने वाला एक स्ट्रक्चर मंदिर तोड़कर उसपर बनाया गया था।

तीसरे दिन मुगल आक्रांता खिलजी और गोरी की हुई थी चर्चा

इससे पहले सुनवाई के तीसरे दिन बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कोर्ट के समक्ष मुगल आक्रांता खिलजी और गोरी का भी जिक्र किया. अधिवक्ता ने बताया कि कैसे इन सभी मुगल आक्रांताओं ने सरस्वती माता के मंदिर भोजशाला को तोड़ा था, जिसके प्रमाण भी कोर्ट के समक्ष रखे गए. कोर्ट के समक्ष प्रतिवादी क्रमांक आठ के जवाब का हवाला देते हुए कहा गया था कि वहां पर मां सरस्वती का मंदिर था और वहां पर इस संस्कृत विश्वविद्यालय भी रहा है। हिंदू पक्ष की ओर से फिलहाल विष्णु शंकर जैन और विनय जोशी उपस्थित हुए तो वहीं अन्य पक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित हुआ, जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद भी शामिल थे. फिलहाल इस पूरे मामले में चार याचिकाओं और एक अपील क्लब है. इसलिए इस पूरे मामले में लगातार सुनवाई हो रही है.

अब मुस्लिम पक्ष रखेगा तर्क, जारी रहेगी सुनवाई

फिलहाल विष्णु शंकर जैन द्वारा भोजशाला विवाद को लेकर हिंदू पक्ष के कई ठोस सबूत पेश किए गए हैं. वहीं, अब इस पूरे मामले में अब मुस्लिम पक्ष के तर्क और आपत्तियों को सुना जाएगा. तमाम पक्षों को सुनने और एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट आने वाले दिनों में इस विवाद पर फैसला सुना सकता है. देखना ये होगा कि अब मुस्लिम पक्ष इस मामले में क्या तर्क रखता है।

डॉ. महाडिक को मध्यप्रदेश गौरव पुरस्कार

उज्जैन, मध्य प्रदेश के प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय महाडिक पिछले 50 से अधिक वर्षों से गरीब और वंचित लोगों को सहज, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर रहे है।

1974 से अब तक उन्होंने 45 लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया है तथा एक लाख से अधिक क्षय (टीबी) रोगियों का निःशुल्क इलाज किया है। उन्होंने मध्य प्रदेश में धर्मार्थ स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना, चिकित्सा शिक्षा में सुधार और जनस्वास्थ्य नीतियों में महत्वपूर्ण बदलाव की पहल की। मध्य प्रदेश में पहले निजी चिकित्सा महाविद्यालय R D Gardi Medical College को स्थापित करने का श्रेय भी आपको जाता है। इस महाविद्यालय के माध्यम से अभी तक आप पांच हजार से अधिक डॉक्टरो को देश सेवा के लिए तैयार कर चुके हैं।

एक दूरदर्शी नेतृत्व प्रदान करते हुए डॉ. महाडिक ने डिजिटल स्वास्थ्य मानचित्रण, ग्रामीण स्वास्थ्य गोद लेने जैसी कई महत्वपूर्ण पहल शुरू कीं, साथ ही उज्जैन कैंसर केंद्र में भारत की पहली Varian True Beam HyperArc 30 तकनीक की शुरुआत की और राष्ट्रीय स्तर पर टीबी एवं कोविड-19 नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ध योगदान दिया है।

जनस्वास्थ्य, ग्रामीण सशक्तिकरण और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनकी असाधारण सेवा निःस्वार्थ राष्ट्रसेवा के लिए कल भोपाल में GRIPS फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक अत्यंत गरिमामय सम्मान समारोह में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री मनोज श्रीवास्तव, Manoj Shrivastava विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉक्टर रविंद्र कान्हेरे, सद्गुरु नागरिक सहकारी बँक के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता श्री विलास बुचके, Vilas Buchke सद्गुरु सेवा मंडळ की अध्यक्ष श्रीमती रोहिणी शिंगवेकर, Rohini Shingwekar वरिष्ठ चिकित्सक डॉ अभिजीत देशमुख, Dr.Abhijeet Deshmukh मध्यप्रदेश मराठा समाज के अध्यक्ष वरिष्ठ वास्तुविद श्री प्रवीण जगताप Jagtap P J Pravin के साथ डॉ. महाडिक को मध्यप्रदेश गौरव तथा मराठी गौरव सम्मान से सम्मानित करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। उन्हे सम्मानित कर हमारा सम्मान बढ़ा है। डॉ. महाडिक असाधारण निःस्वार्थ राष्ट्रसेवा के सर्वोच्च आदर्शों का प्रतीक है। डॉ. साहब को बहुत बधाइयां और वे ऐसे ही राष्ट्र सेवा करते रहे , सदा स्वस्थ, मस्त और व्यस्त रहे यही शुभकामनाएं।इस अवसर पर बड़ी संख्या में भोपाल में विविध क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठित और प्रभावशाली जन उपस्थित थे।

जनपद सीईओ ने पत्नी के नाम की फर्म को किया 14.92 लाख का भुगतान, DM ने किया निलंबित

मुरैना। पत्नी के नाम संचालित महालक्ष्मी इंडस्ट्रीज फर्म से ग्राम पंचायत रजौधा, रायपुर, धर्मगढ़, बरवाई, विजयगढ़, कुरैठा एवं कौथरकलां को कथित मटेरियल सप्लाई के मामले में 14.92 लाख रुपये के भुगतान की आर्थिक अनियमितताओं को लेकर कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने गुरुवार को जनपद पंचायत पोरसा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी देवेंद्र जैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

निलंबित सीईओ जैन

अब जिला पंचायत में अटैच रहेंगे कलेक्टर को शिकायत मिली कि सीईओ जनपद पोरसा देवेंद्र जैन ने अपनी पत्नी कीर्ति गोयल जैन के नाम से महालक्ष्मी इंडस्ट्रीज नामक फर्म पंजीकृत करा ली है। उस फर्म के माध्यम से वर्ष 2023 में ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर ग्राम पंचायत रजौधा, रायपुर, धर्मगढ़, बरवाई, विजयगढ़, कुरैठा एवं कौथरकलां सहित अन्य पंचायतों में जनपद पंचायत पोरसा के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में सामग्री आपूर्ति का कार्य किया है, क्योंकि सीईओ ने पत्नी के नाम की फर्म को वेंडर के रूप में पंजीकृत कर लिया था।

सीईओ को तत्काल प्रभाव से किया निलंबित

जांच में पाया गया कि उक्त पंचायतों द्वारा महालक्ष्मी इंडस्ट्रीज फर्म से सामग्री क्रय कर 14.92 लाख रुपये भुगतान किया गया है। यह पंजीयन विशेष रूप से 15वें वित्त आयोग मद के अंतर्गत कार्यों हेतु किया गया था। जांच के बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश भार्गव ने जनपद सीईओ देवेंद्र जैन के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु प्रस्ताव कलेक्टर को प्रस्तुत किया। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए प्रभारी आयुक्त चंबल संभाग एवं कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने देवेंद्र जैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।